अनुक्रमांक ..... नाम .....

पूर्वानुमानित परीक्षा 2022–23

कक्षा – दशम

विषय : हिन्दी

निर्धारित समय : 3:15 घण्टे **पूर्णांक : 70**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं स्वच्छतापूर्वक उत्तर लिखिए।

1. कृपया जांच लीजिए कि प्रश्न पत्र में प्रश्नों की कुल संख्या 29 तथा मुद्रित पृष्ठों की संख्या 06 है।
2. प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित है । खण्ड – अ, खण्ड – ब ।
3. खण्ड अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये हैं ।
4. खण्ड – ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये हैं । प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित हैं ।
5. कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।

खण्ड – अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

प्र. 1 "कालिदास की निरंकुशता" किस विधा की रचना है ? 1

(क) आलोचना (ख) नाटक

(ग) कहानी (घ) निबन्ध

प्र. 2 लहरों के राजहंस नाटक के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

(क) सेठ गोविन्ददास (ख) जय शंकर प्रसाद

(ग) मोहन राकेश (घ) उपेन्द्रनाथ अश्क

प्र. 3 निम्नलिखित में से किसे गद्यकाव्य का जनक कहा जाता है – 1

(क) राय कृष्णदास (ख) माखन लाल चतुर्वेदी

(ग) चतुसेन शास्त्री (घ) वियोगीहरि

प्र. 4 रीतिकाल के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं – 1

(क) महादेवी वर्मा (ख) सुमित्रानन्दन पंत

(ग) बिहारी (घ) बोधा

PDF HindustanKnowledge.com

प्र. 5 द्वितीय तार सप्तक की प्रकाशन अवधि है – 1

(क) 1943 ई. (ख) 1951 ई.

(ग) 1947 ई. (घ) 1950 ई.

प्र. 6 धनुष भंग शीर्षक रामचरित मानस के किस काण्ड से उद्धृत है – 1

(क) अयोध्याकाण्ड (ख) बालकाण्ड

(ग) अरण्यकाण्ड (घ) उत्तरकाण्ड

प्र. 7 प्रेमवाटिका के रचयिता हैं – 1

(क) रसखान जी (ख) केशवदास

(ग) भूषण (घ) मति राम

प्र. 8 बिहारी लाल की कुल रचनाएँ हैं – 1

(क) 02 (ख) 01

(ग) 03 (घ) 05

प्र. 9 छायावाद के स्तम्भ कवियों में किसका नाम नहीं है – 1

(क) जयशंकर प्रसाद (ख) सुमित्रानन्दन पन्त

(ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (घ) भूषण

प्र. 10 साकेत के रचनाकार का नाम है – 1

(क) मैथिली शरण गुप्त (ख) गोस्वामी तुलसी दास

(ग) महादेवी वर्मा (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र. 11 हास्य रस का स्थायी भाव है – 1

(क) हास (ख) श्रृंगार

(ग) शोक (घ) उत्साह

प्र. 12 'रोला' छन्द के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती हैं – 1

(क) 23–23 (ख) 22–22

(ग) 24–24 (घ) 25–25

प्र. 13 जहां उपमेय में उपमान की सम्भावना व्यक्त की जाय तब अलंकार होगा– 1

(क) रूपक (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) अनुप्रास (घ) उपमा

प्र. 14 अ उपसर्ग का प्रयोग किस शब्द में नहीं हुआ है ? 1

(क) अनाथ (ख) अरूप

(ग) अनुप्रास (घ) अजन्मा

PDF HindustanKnowledge.com

प्र. 15 'सुन्दरता' पद में प्रयुक्त प्रत्यय का नाम है – 1

(क) आ (ख) ता

(ग) रता (घ) वा

प्र. 16 चन्द्रमौलि में समास है – 1

(क) बहुव्रीहि (ख) कर्मधारय

(ग) द्वन्द्व (घ) द्विगु

प्र. 17 'गांठ' पद का तत्सम है – 1

(क) गाष्ठ (ख) ग्रन्थि

(ग) गेंठ (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र. 18 'नद्याः' शब्द का विभक्ति और वचन है– 1

(क) प्रथमा विभक्ति बहुवचन (ख) षष्ठी विभक्ति एकवचन

(ग) प्रथमा विभक्ति एकवचन (घ) ख, ग दोनों

प्र. 19 'पठ' किस धातु लकार पुरूष, वचन का रूप है – 1

(क) पठ् धातु लोट् लकार प्रथम पुरूष एकवचन

(ख) पठ् धातु लोट्लकार मध्यम पुरूष एकवचन

(ग) पठ् धातु लट् लकार मध्यम पुरूष द्विवचन

(घ) पठ् धातु लङ्लकार मध्यम पुरूष एकवचन

प्र. 20 सदैव पद में सन्धि है – 1

(क) वृद्धि सन्धि (ख) गुण सन्धि

(ग) यण सन्धि (घ) अयादि सन्धि

खण्ड – ब

प्र. 21 प्रश्न निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. काशी के उत्तर में धर्मचक्र विहार मौर्य और गुप्त सम्राटों की कीर्ति का खण्डहर था। भग्न चूड़ा, तृणगुल्मों से ढके–हुए प्राचीर, ईटों के ढेर में बिखरी हुई भारतीय शिल्प की विभूति, ग्रीष्म की चन्द्रिका में अपने को शीतल कर रही थी। जहाँ पंचवर्गीय भिक्षु, गौतम का उपदेश ग्रहण करने के लिए पहले मिले थे, उसी स्तूप के भग्नावशेष की मलिन छाया में एक झोपड़ी के दीपालोक में एक स्त्री

PDF HindustanKnowledge.com

पाठ कर रही थी – "अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते"

1. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

3. धर्मचक्र कहाँ स्थित है ? 2

अथवा

ख. बुद्ध के इस जन्म की घटनाएँ तो इन चित्रित कथाओं में हैं ही, उनके पिछले जन्मों की कथाओं का भी इनमें चित्रण हुआ है। पिछले जन्म की कथाएँ जातक कहलाती हैं उनकी संख्या 555 है और इनका संग्रह जातक नाम से प्रसिद्ध है, जिनका बौद्धों में बड़ा मान है । इन्हीं जातक कथाओं में से अनेक अजन्ता के चित्रों में विस्तार के साथ लिख दी गयी हैं। इन पिछले जन्मों में बुद्ध ने गज, कपि मृग आदि के रूप में विविध योनियों में जन्म लिया था और संसार के कल्याण के लिए दया और त्याग का आदर्श स्थापित करते वे बलिदान हो गये थे ।

1. उपर्युक्त गद्यांश के शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए। 2

2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

3. जातक कथाएँ किससे सम्बन्धित हैं ? 2

प्र.2 दिये गये पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. सुनि सुन्दर बैन सुधारस साने, सयानी हैं जानकी जानी भली ।
तिरछे करि नैन दै सैन तिन्है समुझाइ कछू मुसकाइ चली ।
तुलसी तेहि औसर सोहैं सबै अवलोकति लोचन–लाहु अली।
अनुराग तड़ाग में भानु उदै विकसीं मनो मंजुल कंज–कली।

1. उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए । 2

2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

3. अनुराग तड़ाग तथा मनो मंजुल कंज कली में कौन सा अलंकार है। 2

अथवा

ख. बढ़ जाता है मान वीर का ,
रण में बलि होने से ।
मूल्यवती होती सोने की,

PDF HindustanKnowledge.com

भस्म यथा सोने से ।।

रानी से भी अधिक हमें अब ।

यह समाधि है प्यारी ।।

1. प्रस्तुत पद्यांश के शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए। 2

2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

3. उपर्युक्त पद्य में किसकी वीरता का वर्णन किया गया है ? 2

प्र.23 दिये गये संस्कृत खण्ड में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2+3 = 5

क. एकदा बहवः जनाः धूमयानम् (रेल) आरूह्य नगरं प्रति गच्छन्ति स्म। तेषु केचित् ग्रामीणाः केचित् च नागरिकाः आसन् । मौनं स्थितेषु तेषु एकः नागरिकः ग्रामीणान्उपहसन् अकथयत् ''ग्रामीणाः अद्यापि पूर्ववत् अशिक्षिताः अज्ञाश्च सन्ति । न तेषां विकासः अभवत् न च भवितुम् शक्नोति'' तस्य तादृश जल्पनं श्रुत्वा कोऽपि चतुरः ग्रामीणः अब्रवीत्। ''भद्र नागरिकः ! भवान् एव किञ्चित ब्रवीत, यतो हि भवान् शिक्षितः बहुज्ञः च अस्ति।''

अथवा

ख. मानवजीवनस्य संस्करणं संस्कृतिः। अस्माकं पूर्वजाः मानव जीवनं संस्कर्तुम महान्तं प्रयत्नं अकुर्वन्। ते अस्माकं जीवनस्य संस्करणाय यान् आचारान् विचारान् च अदर्शयन् तत् सर्वम् अस्माकं संस्कृति। विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः एक एव इति भारतीय संस्कृतेः मूलम्। विभिन्न मतावलम्बिनः विविधैः नामभिः एकं एव ईश्वरम् भजन्ते।

प्र.24 दिये गये संस्कृत पद्य (श्लोक) में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अर्थ लिखिए। 2+3 = 5

क. नीरक्षीर विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिनधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

अथवा

ख. सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःख भाग् भवेत।।

PDF HindustanKnowledge.com

प्र.25 अपने पठित खण्ड काव्य के आधार पर निम्न लिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। 1x3 = 3

क. 1. मुक्ति–दूत खण्ड काव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

2. मुक्ति–दूत खण्ड काव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

ख. 1. ज्योति जवाहर खण्ड काव्य के आधार पर तृतीय सर्ग अथवा द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए ।

2. ज्योति जवाहर खण्ड काव्य की ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया हो और क्यों?

ग. 1. अग्रपूजा खण्ड काव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए।

2. अग्रपूजा खण्ड काव्य के राजसूय सर्ग का सारांश संक्षेप में लिखिए।

घ. 1. मेवाड़ मुकुट खण्ड काव्य के आधार पर नायक महाराणा प्रताप अथवा भामाशाह का चरित्र चित्रण लिखिए।

2. मेवाड़ मुकुट खण्ड के आधार पर दौलत का चरित्र चित्रण लिखिए।

ङ. 1. जय सुभाष खण्ड काव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

2. जय सुभाष खण्ड काव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

च. 1. 'मातृभूमि के लिए' खण्ड काव्य की कथा वस्तु सारांश (संक्षेप) में लिखिए।

2. मातृभूमि के लिए खण्ड काव्य के (संघर्ष) द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

छ. 1. कर्ण खण्ड काव्य के द्वितीय सर्ग (द्रौपदी सर्ग) की कथा वस्तु पर प्रकाश डालिये।

2. कर्ण खण्डकाव्य की कथावस्तु (सारांश) लिखिए।

ज. 1. कर्मवीरभरत खण्ड काव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

2. कर्मवीर भरत खण्ड काव्य के आधार पर भरत का चरित्र

PDF HindustanKnowledge.com

चित्रण लिखिए।

झ. 1. तुमुल खण्डकाव्य की कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

2. तुमुल खण्डकाव्य की रामविलाप और सौमित्र का उपचार सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

प्र.26 क. दिये गये लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय एवं दो रचनाओं का उल्लेख कीजिए। 3+2 =5

1. जयशंकर प्रसाद
2. डा. भगवत शरण उपाध्याय
3. डा. राजेन्द्र प्रसाद

ख. दिये गये कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय एवं प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए । 3+2 =5

1. सूरदास
2. मैथिलीशरण गुप्त
3. रसखान जी

प्र.27 अपनी पाठ्य पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो । 2x1 = 2

प्र.28 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में लिखिए। 2+2 = 4

1. वाराणसी कस्य संगम स्थली अस्ति ?
2. अलक्षेन्द्रः कः आसीत् ?
3. ग्रामीणान् कः उपाहसत् ?
4. संस्कृति शब्दस्य किम् तात्पर्य अस्ति।

प्र.29 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 1x9 =9

1. पर्यावरण प्रदूषण कारण एवं निवारण (समाधान)
2. भारत में आतंकवाद के कारण एवं निवारण (समाधान)
3. परहित सरिस धरम नहिं भाई (परोपकार की भावना)
4. सड़क दुर्घटना कारण एवं समाधान (निवारण)
5. देश प्रेम (देश–सेवा)
6. कोरोना महामारी के कारण एवं निवारण

PDF HindustanKnowledge.com